



प्रफुल्ल कोलख्यान

सोच-सोचकर वे खुश हैं

विश्वास जमाया कि शीघ्र ही धरती की गति को भी
शेअर बाजार से लिंकअप किया जा सकेगा
सब कुछ नियंत्रण में है
सोच-सोचकर वे खुश हैं

उन्होंने पुख्ता इंतजाम किया
बिजली मिस्त्री से बात की
खर्च का हिसाब लगाया
गाँठ टटोली
विदेशी बैंकों की ऋण-योजनाओं का पाठ किया
विश्वबैंक एवं विकास के लिए
प्रतिबद्ध अन्य ऐसी ही संस्थाओं की
वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी
चाय की चुस्की ली और इतमीनान हो लिये

उनका बैंक के पास गिरवी रखा
घर रोशनी में नहा उठा
वे खुद भी देर तक नहाते रहे
मन के भीतर देर तक रोशनी की खबर पकाते रहे

दर्पण में खुद को गौर से नीहारते हुए पाया कि
वे मुस्कुरा रहे हैं और एलान किया ऐसे ही दर्पण काम के होते हैं
और अब सूरज बहुत उपयोगी नहीं रहा
टेबुल लैंप की तरह ऑफ-ऑन की सुविधा उसमें नहीं है
हवा के लिए बिजली का पंखा काफी है
एक बेहतर मौसम मशीन से ही पैदा की जा सकती है
विश्वास जमाया कि शीघ्र ही धरती की गति को भी
शेअर बाजार से लिंकअप किया जा सकेगा

सब कुछ नियंत्रण में है
सोच-सोचकर वे खुश हैं